प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतगनर में जल संरक्षण एवं भूजल प्रबंधन विषय पर कार्यशाला आयोजित

पंतनगर। 20 जनवरी 2020। पंतनगर विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के इलैक्ट्रानिक इंजीनियरिंग विभाग के सभागार में 'कृषि क्षेत्र में जल संरक्षण एवं समग्र तकनीकी प्रयोगों से भूजल प्रबंधन' विषय पर आज एक-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पंतनगर विश्वविद्यालय के प्रौद्य ोगिकी महाविद्यालय में आई.आई.टी. खड़कपुर; वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया; सरदार बल्लभ भाई पटेल एन.आई.टी. सूरत'; यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्कोनसिंन, मेडिसन, यू.एस.ए.; एवं क्यूसलेंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, आस्ट्रेलिया, के सहयोग से संचालित स्पार्क परियोजना के अन्तर्गत आयोजित हुआ। इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि पंतनगर विश्वविद्यालय के कुलपति डा. तेज प्रताप थे। इस अवसर पर अधिष्ठाता प्रौद्योगिकी डा. जे.पी. पाण्डे, वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया के विदेशी कार्यक्रम समन्वयक प्रो. बसंत माहेश्वरी, आई.आई.टी. खड़कपुर के कार्यक्रम समन्वयक प्रो. डी.आर. मेलापल्ली एवं पंतनगर विश्वविद्यालय में इस परियोजना के सह-समन्वयक प्रो. एच.जे.एस. प्रसाद भी मंचासीन थे।

डा. तेज प्रताप ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों के भौगोलिक परिदृश्य के अनुरूप भविष्य की परियोजनाएं तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भविष्य के लिए जल एक वैश्विक आवश्यकता है, जिसका सरंक्षण सुनिश्चित किये जाने की जरूरत है। उन्होंने कृषि कार्यों में जल संरक्षण की तकनीकों पर कार्य करने तथा भू-जल के उचित एवं व्यवस्थित संरक्षण हेतु तकनीकों के समग्र प्रयोग से भूजल प्रबंधन की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने पर जोर दिया। डा. प्रताप द्वारा आशा व्यक्त की गई कि कार्यक्रम में उपस्थित भारतीय एवं विदेशी सहयोगियों के प्रयासों से इस दिशा में वैश्विक सोच विकसित होगी तथा इसका लाभ उत्तराखण्ड राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों के लोगों को भी मिलेगा।

प्रो. बसंत माहेश्वरी एवं प्रो. डी.आर. मेलापल्ली ने स्पार्क की गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा उत्तराखण्ड के साथ-साथ गुजरात एवं महाराष्ट्र राज्य में किए जा रहे शोध कार्यों के बारे में भी विस्तार पूर्वक बताया।

इससे पूर्व डा. जे.पी. पाण्डे ने अतिथियों का स्वागत किया एवं पंतनगर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों से उपस्थितजनों को अवगत कराया। कार्यक्रम में स्पार्क परियोजना की टीम द्वारा कुलपति को सम्मानित किया गया। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न संस्थानों से 30 प्रतिभागी उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में प्राध्यापक, सिविल इंजीनियंरिंग प्रो. एच.जे.एस. प्रसाद ने धन्वाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सह प्राध्यापक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग डा. रवि सक्सेना ने किया। इस कार्यक्रम में विभिनन आई.आई.टी. संस्थानों से आए प्रो. राजेन्दर सिंह, डा. एस. चक्रवर्ती एवं डा. जयन्तीलाल एन. पटेल के साथ-साथ विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष सिविल इंजीनियरिंग डा. एस.एस. गुप्ता, विभागाध्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग डा. आर.पी.एस. गंगवार, विभागाध्यक्ष इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग डा. सुधा आरोरा के अतिरिक्त अन्य वैज्ञानिक उपस्थित थे।

कुलपति डा. तेज प्रताप को सम्मानित करते स्पार्क परियोजना टीम के सदस्य।